Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

أَنَا مَدِيْنَةُ الْعِلْمِ وَعَلِيٌّ بَابُهَا

इमामिया मकातिब शिक्षा क्रम

इमामिया दीनियात

कक्षा १

प्रकाशित

तनज़ीमुल मकातिब
बिजनौर ज़ि॰ लखनऊ

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

इमामिया मकातिब के पाठ्यक्रम की कड़ी

इमामिया दीनियात

कक्षा—१

प्रकाशक—

तनज़ीमुल-मकातिब-बिजनौर

ज़िला लखनऊ

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

शित्तक के लिये निर्देश

१—पाठ पढ़ाने के बाद बच्चों से ऐसे प्रश्न किये जायें जिनके द्वारा बच्चे पाठ के भाव को व्यक्त कर सकें।

२—पाठ के अन्त में दिये गये प्रश्न लिखवाकर मौखिक याद कराये जायें।

३—दिये गये प्रश्नों के अतिरिक्त शिक्षक स्वयं भी प्रश्न करें।

४—आवश्यकतानुसार व्यवहारिक (अमली) शिक्षा दी जाय।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

बिसमिल्ला-हिर्रहमा-निर्रहीम

पहला पाठ

ख़ुदा

यह स्कूल किसने बनाया ? मजदूरों ने

यह किताब किसने लिखी ? एक पढ़े लिखे आदमी ने

यह क़लम किसने बनाया ? एक कारखाने वालों ने

क्या कोई वस्तु बिना बनाने वाले के बन सकती ? नहीं। बल्कि हर वस्तु के लिए एक बनाने वाले का होना आवश्यक है। तो फिर इस संसार का पैदा करने वाला कौन हैं ?

—ख़ुदा

और अल्लाह कौन है ? अल्लाह और ख़ुदा दोनों एक ही सत्य (ज़ात) के दो नाम हैं।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

दूसरा पाठ

तौहीद

क्या सम्पूर्ण संसार का पैदा करने वाला एक है ?

नि:सन्देह एक है !

खुदा दो क्यों नही हो सकते ?

यदि दो खुदा होते तो दो काम करने वालों में एक दूसरे का आश्रित होता और जो आश्रित हो वह बन्दह होता है, खुदा नहीं होता।

यदि दो खुदा होते तो क्या होता ? दोनों में झगड़ा होता। और सम्पूर्ण संसार नष्ट हो जाता

क्या खुदा में कोई बुराई भी हो सकती है ?

कदापि नहीं, क्योंकि बुराई करने वाला अच्छाई नही, सिखा सकता।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

तीसरा पाठ

इसलाम

सब से उत्तम दीन (धर्म) कौन है ? इसलाम ।

क्या इसलाम के अतिरिक्त भी अन्य दीन (धर्म) हैं ? हाँ

इसलाम क्यों उत्तम है ? इसे खुदा ने बनाया है ।
इसे संसार में कौन लाया ? हमारे नबी हजरत मुहम्मद मुस्तफा लाये हैं ।

हमारे नबी के पश्चात् इसलाम किस प्रकार बचा रहा ?

नबी के पश्चात् इसको हमारे बारह (१२) इमामों ने बचाये रक्खा ।

क्या आज भी कोई इमाम है ? हाँ बारहवें इमाम गैब के परदे में हैं अर्थात अदृश्य हैं ।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

चौथा पाठ

सिफ़ाते सुबूतिया

ख़ुदा में पाये जाने वाले गुण कौन-कौन से हैं ?

उसके गुणों को कोई गिन नहीं सकता।

सिफ़ाते सुबूतिया किसे कहते हैं ?

जो गुण खुदा में पाए जाते हैं उनको सिफाते-सुबूतिया कहते हैं। खुदा में पाये जाने वाले गुणों में आठ गुण निम्न-लिखित हैं।

१–क़दीम अर्थात सदा से है और सदा रहेगा।

२–क़ादिर अर्थात् हर काम कर सकता है।

३–आलिम अर्थात् हर बात जानता है।

४–हई अर्थात् ऐसा जीवित है जो कभी मर नहीं सकता।

५–मुदरिक अर्थात् बिना आंख और कान के देखता और सुनता है।

६–मुरीद अर्थात् जो चाहे करे जो चाहे न करे।

७–मुतकल्लिम अर्थात् बिना ज़बान के बोलता है।

८–सादिक अर्थात् सच्चा है।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

पाँचवाँ पाठ

सिफ़ाते सलबीया

ख़ुदा कौन-कौन से अवगुणों से पवित्र है ?

उसमें कोई भी बुराई नहीं पाई जाती। वह समस्त बुराइयों से पवित्र है।

वह—मुरक्कब नहीं अर्थात् किसी से मिलकर नहीं बना है।

वह—जिस्म नहीं रखता

वह—मकान नहीं रखता

वह—हुलूल नहीं करता अर्थात् किसी वस्तु में नहीं आ सकता न समा सकता।

वह—मुरई नहीं अर्थात् दिखाई नहीं देता

वह—महल्ले हवादीस (परिवर्तन शील) नहीं अर्थात् उसमें कोई परिवर्तन नहीं होता।

वह—शरीक (साझीदार) नहीं

उसके सिफ़ात (गुण) ज़ायद नहीं अर्थात् वह सत्य विशेष और उसके गुण एक हैं।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

छठवाँ पाठ

अदल

खालिद क्यों बदनाम हैं ?

क्योंकि वह जालिम हैं।

जालिम किसे कहते हैं ?

जिसमें कोई ऐब (अवगुण) पाया जाता है उसे जालिम कहते हैं।

जालिम से लोग प्रेम (मुहब्बत) करते हैं या घृणा ?

जालिम से घृणा करते हैं।

जालिम न्याय कर सकता है ? नहीं।

क्या खुदा जालिम है ? कदापि नहीं, क्योंकि ज़ुल्म ऐब (अवगुण) है और खुदा में कोई अवगुण नहीं पाया जाता।

खुदा जालिम क्यों नहीं हो सकता ?

खुदा को कयामत (प्रलय) के दिन न्याय करना है और जालिम न्याय नहीं कर सकता।

खुदा क्या है ? खुदा आदिल है। स्वयं न्याय करता है और सब को न्याय करने का आदेश देता है।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

सातवाँ पाठ

कयामत

कयामत क्या है ?

कयामत वह दिन जब अच्छे काम करने वालों को इनाम (पुरस्कार) और बुरे काम करने वालों को सजा (दण्ड) मिलेगी।

यह दिन कब आयेगा ?

सारे संसार के नष्ट होने के पश्चात् ।

जब संसार नष्ट हो जायेगा तो क्या होगा ?

ख़ुदा फिर से सब को पैदा करेगा और उनका हिसाब करेगा ।

हिसाब क्या चीज है ?

अच्छाई और बुराई को देखना और उस पर अज़ाब (दुखद दन्ड) और सवाब (सुखद) बदला देना ।

अजाब और सवाब क्या है ?

कयामत के दन्ड को अजाब और वहाँ के पुरस्कार को सवाब कहते हैं ।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

आठवाँ पाठ

नबूवत

हम कहां से आये? खुदा के यहां से

हमें कहां जाना है? खुदा ही की ओर

हमें किस तरह संसार में रहना चाहिए? जिस तरह खुदा चाहे।

खुदा का हुक्म किस प्रकार से जाना जाये? नबी के द्वारा

नबी कौन है? वह अल्लाह का खास (विशिष्ट) बंदा जो संसार को रास्ता बताता है और खुदा तक पहुँचाता है।

नबी कैसा होगा?

हम जाहिल पैदा हुए और वह आलिम (ज्ञानी) पैदा होगा हमसे भूल होती है तो उससे भूल नहीं होगी हममें त्रुटियां हैं उसमें त्रुटियां न होंगी। वह हमारे तरह किसी रास्ता बताने वाले पर आश्रित न होगा।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

नवाँ पाठ

पांच बड़े रसूल

क्या समस्त नबी एक ही प्रकार के हैं ?
नहीं उनमें भी छोटे बड़े हैं ।
उनको क्या कहा जाता है ?
नबी, रसूल और उलुल-अज्म (बड़े रसूल)
नबी कौन होता है ?
जो अल्लाह की ओर से भेजा जाता है और पवित्र जीवन व्यतीत करता है ।
रसूल कौन होता है ?
जो बन्दों को अल्लाह की ओर ले जाता है ।
उलुल-अज्म कौन होता है ?
वह रसूल जो अल्लाह की ओर से ग्रंथ और शरीयत (देवी-विधान) लेकर आता है ।
उलुल-अज्म कौन कौन हैं ?
हज़रत नूह, हज़रत इब्राहीम, हज़रत मूसा, हज़रत ईसा और हज़रत मोहम्मद मुस्तफ़ा
रसूल कितने हैं ?
तान सौ तेरह ।
नबी कितने हैं ? एक लाख चौबीस हज़ार ।
पैग़म्बर कौन हैं ?
हज़रत मोहम्मद मुस्तफा सललल्लाहो अलैहे व आलेही वसललम ।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

दसवाँ पाठ

आसमानी ग्रन्थ

पैगम्बरों द्वारा लायी हुई किताबें कौन-कौन सी हैं ?
तौरेत, इंजील, जुबूर और कुरआन।
तौरेत कौन लाया ? हजरत मूसा।
इंजील कौन लाया ? हज़रत ईसा।
जुबूर कौन लाया ? हजरत दाऊद।
कुरआन कौन लाया ? हजरत मोहम्मद मुस्तफा।
कुरआन पर विश्वास रखने वालों को क्या कहते हैं ?
मुसलमान।
शेष ग्रंथों में विश्वास रखने वालों को क्या कहते हैं ?
अहले किताब (ग्रन्थ वाले)
वह समस्त ग्रन्थ क्या हुए ?
उनका काल समाप्त हो गया और उनको, उनमें विश्वास रखने वालों ने नष्ट कर दिया।
कुरआन क्यों बच गया ?
यह अन्तिम ग्रन्थ है। इसे कयामत (प्रलय) तक प्रचलित रहना है। इसे खुदा एवं रसूल के घर वालों ने बचा रखा है।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

ग्यारहवाँ पाठ

इमामत

अन्तिम रसूल के पश्चात् उम्मत (ईमान लाने वाला वर्ग) का रहनुमा (दिग दर्शक) कौन है ? इमाम
इमाम कितने हैं ? बारह
उन्हें इमाम किसने बनाया ? खुदा ने
हमें कैसे ज्ञात हुआ ?
हमारे दयालू रसूल ने बताया।
रसूल के पश्चात् हमने उन्हें कैसे पहचाना ?
मोजज़ो (चमत्कारों) के द्वारा।
मोजज़ा (चमत्कार) क्या है ?
वह काम है जिसे केवल नबी और इमाम ही कर सकते हैं और दूसरा कोई नहीं कर सकता।
उदाहरण के लिए जैसे रसूल ने चांद को दो भागों में विभाजित किया और हज़रत अली ने सूरज को पलटाया। यदि कोई व्यक्ति इमाम को छोड़ दे तो उसकी मृत्यु अज्ञान की मृत्यु होती है। और उसका ठिकाना नर्क होगा। क्या इमाम का होना आवश्यक है? निःसन्देह। इमाम पर धर्म का उत्तरदायित्व होता है इमाम से संसार जीवित् है। इमाम के द्वारा ही खुदा पहचाना जाता है।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

बारहवाँ पाठ

पंजतन पाक (पाँच पवित्र)

पंजतन कौन हैं ?
हज़रत मोहम्मद मुस्तफा, हज़रत अली-ए-मुर्तज़ा, हज़रत फ़ातिमा ज़हरा, हज़रत हसन-ए-मुजतबा और हज़रत इमाम हुसैन शहीद-ए-करबला ।
उन्हें पजतन (पांच पवित्र) क्यों कहा जाता है ?
जब यह पांचो हज़रात एक चादर में एकत्रित हुये थे तो आयत-ए-तत्हीर (इनकी पवित्रता का ईश्वरीय प्रमाण) उतरी थी ।
आयत-ए-तत्हीर क्या है ?
कुरआन मजीद की एक आयत है । जिसमें "अहले बैत" के पवित्र होने की घोषणा की गई है ।
यह चादर कैसी है ?
जनाबे फ़ातिमा की एक चादर थी जिसमें यह समस्त हज़रात (पवित्र द्वार) एकत्रित हुये थे ।
यह घटना कैसे मालूम हुई ?
"हदीसे–किसा" के द्वारा जिसको बहुधा पढ़ा जाता है और जिसकी बरकत से दुआयें (प्रार्थना) पूरी होती हैं ।
क्या पंजतन पाक की बरकत से दुआ पूरी होती है । निः-सन्देह । उनके माध्यम से नबीयों की दुआय पूरी हुई हैं और उन्हें पैग़म्बरों ने अपनी साधना का माध्यम बनाया है ।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

तेरहवाँ पाठ

बारह इमाम

१—हज़रत अली अलैहिस्सलाम ।

२—हज़रत हसन अलैहिस्सलाम ।

३—हज़रत हुसैन अलैहिस्सलाम ।

४—हज़रत अली इब्निल हुसैन अलैहिस्सलाम ।

५—हज़रत मुहम्मद इब्न अली अलैहिस्सलाम ।

६—हज़रत जाफ़र इब्न मुहम्मद अलैहिस्सलाम ।

७—हज़रत मूसा इब्न जाफ़र अलैहिस्सलाम ।

८—हज़रत अली इब्न मूसा अलैहिस्सलाम ।

९—हज़रत मुहम्मद इब्न अली अलैहिस्सलाम ।

१०—हज़रत अली इब्न मुहम्मद अलैहिस्सलाम ।

११—हज़रत हसन इब्न अली अलैहिस्सलाम ।

१२—हज़रत हुज्जत इब्निल हसन अलैहिस्सलाम ।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

चौदहवां पाठ

चौदह मासूम

चौदह मासूम कौन-कौन हैं ?

हजरत मुहम्मद मुस्तफा हज़रत फ़ातिमा ज़हरा और बारह इमाम।

मासूम किसे कहते हैं ?

जिससे किसी प्रकार की कोई भूल नहीं होती और जो प्रारम्भ से अन्त तक पाक और पवित्र होता है।

यह हजरत क्यों मासूम है।

इन्हें अल्लाह ने हिदायत (सत्य के निर्देशन) के लिए भेजा है। यह यदि भूल गये या भटक गये तो समस्त दीन (धर्म) नष्ट हो जायेगा।

चौदह मासूमों में आपस में सम्बन्ध क्या हैं ?

हजरत मुहम्मद मुस्तफा, हजरत फ़ातिमा जहरा के पिता और जनाब फातिमा जहरा, हजरत अली की पत्नी हैं। हज़रत अली, हजरत इमाम हसन और हजरत इमाम हुसैन के पिता हैं और शेष समस्त इमाम अपने से पहले वाले इमाम के पुत्र हैं।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

पंद्रहवाँ पाठ

नमाज क्या है ?

अल्लाह की बन्दगी और मुसलमान की पहचान।

नमाज से क्या लाभ हैं ?

नमाजी के घर में बरकत (दैवी अनुकम्पा) होती है। उस से खुदा और रसूल प्रसन्न होते हैं। और वह जन्नत (स्वर्ग) पाने का अधिकारी हो जाता है।

नमाज न पढ़ने वाला किस प्रकार का व्यक्ति होता है ? उससे अल्लाह और रसूल क्रोधित रहते हैं और वह सच्चा मुसलमान नहीं होता।

नमाज किसके लिए है ?

नमाज सबको पढ़ना चाहिए। पन्द्रह साल के लड़के और नौ साल की लड़की पर वाजिब (अनिवार्य) है।

प्रतिदिन कितनी नमाजे पढ़नी चाहिए ?

पांच वक्त (निर्धारित समय) पर

सुबह, ज़ोहर, अस्र मग़रिब, एशा

यह कितनी बार पढ़नी चाहिए ?

सुबह की दो रकअत। जोहर की चार रकअत। अस्र की चार रकअत। मग़रिब की तीन रकअत ऐशा की चार रकअ कुल सत्रह (१७) रकअत।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

सोलहवाँ पाठ

रोज़ह

रोज़ह क्या है ?

सुबह अज़ान से मग़रिब तक अल्लाह के आदेशानुसार खाना पानी आदि छोड़ देना।

रोज़ह कब वाजिब होता है ?

रमज़ान के महीने में।

क्या हर मुसलमान को रोज़ह रखना चाहिए ?

हाँ। लेकिन यदि बीमार है या सफ़र (यात्रा) कर रहा है तो उस पर वाजिब नहीं है।

रोज़ह से क्या लाभ हैं ?

अल्लाह प्रसन्न होता है, सवाब मिलता है, स्वास्थ बनता है और हिम्मत बढ़ती है।

रोज़ह न रखने वालो का परिणाम क्या है ?

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

मरने के पश्चात् जहन्नम (नरक) में जायेंगे या संसार में कफ्फ़ारह (प्रायश्चित) के रूप में एक एक रोज़े के बदले साठ-साठ रोज़े रखना पड़ेंगे।

क्या सब लोगों को जिन्होंने रोज़ह नहीं रक्खा इतने ही रोज़ह रखने पड़ेंगे ?

नही यदि कोई बीमार या मुसाफिर रोज़ह नहीं रख सका है तो उसे ईद के पश्चात् एक के बदले एक ही रोज़ह रखना पड़ेगा।

ईद क्या है ?

रमज़ान के महीने के समाप्त होने के पश्चात् का पहला दिन।

इस दिन क्या करना चाहिए ? दो रकअत नमाज पढ़ कर मोमिन से ईद मिलना चाहिए।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

सत्रहवाँ पाठ

हज

लोग हाजी कैसे बन जाते हैं ?

हज करने के कारण ।

हज क्या है ?

अल्लाह के घर के पास एक विशेष इबादत का नाम है।

अल्लाह का घर कहाँ है ? मक्का में ।

यह इबादत कब होती है ?

ज़िलहिज्जह की ९, १० और ११ तारीख को ।

लोग हज करने क्यों जाते है ?

अल्लाह का आदेश है । उस के घर की ज़ियारत में असीमित सवाब है और दुनिया में भी आदर होता है ।

अल्लाह के घर का क्या नाम है ? काबह

इसमें कौन पैदा हुआ ?

हमारे पहले इमाम हज़रत अली अलैहिस्सलाम ।

हज किस पर वाजिब होता है ?

जिस के पास मक्कह तक जाने का खर्चा (व्यय) हो और कोई बीमारी आदि भी न हो ?

क्या हज हर साल वाजिब होता हैं ?

नही जीवन में केवल एक बार । उसके पश्चात् मुसतहब है !

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

अट्ठारवाँ पाठ

जकात

ज़कात क्या हैं ?

अनाज कटने के पश्चात् गरीबों को क्यों दिया गया ? यह ज़कात है ।

जौ, गेहू इत्यादि से गरीबों को दिये जाने भाग को कहते हैं ।

क्या ज़कात वाजिब है ?

हाँ जिसके पास खेती है और अच्छी पैदावार है उसे ज़कात देना पड़ेगी ।

जकात का लाभ क्या है ?

गरीबों का पेट भरता है और माल में बरकत होती है ?

यह ईद के दिन पैसा क्यों निकाला जाता है ?

यह फ़ितहरर है इसे भी जकात कहते हैं ।

यह गरीबों के ईद मनाने का सामान है इसका निकालना भी वाजिब है ?

जकात किस वस्तु पर वाजिब है ?

सोने चाँदी के सिक्के, जौ, गेहू, अंगूर, ऊंट, गाय, बकरी ।

कितने गल्ले की पैदावार पर जकात वाजिब है?

बीस मन (२० मन) से अधिक पर ।

क्या रुपये के नोटों पर जकात वाजिब नहीं है ?

नही, इस पर खुमुस वाजिब है ।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

उन्नीसवां पाठ

खुमुस

खुमुस किसे कहते हैं ?

माल के पांचवे हिस्से (भाग) का नाम खुमुस है ?

खुमुस किस पर वाजिब है ?

हर मुसलमान पर वाजिब है।

खुमुस कब वाजिब होता है ?

साल भर का खर्चा (व्यय) निकालने के पश्चात् बचे हुये माल पर खुमुस निकालना वाजिब है।

खुमुस किसे दिया जाता है ?

इसके दो भाग किये जाते हैं एक भाग गरीब सादात कां होता है और दूसरा भाग इमाम अलैहिस्सलाम का ।

इमाम का हिस्सा किसे दिया जाये ?

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

इमाम के नायब (प्रतिनिधि) मुजतहिद को।

इमाम का नायब क्या करेगा ?

दीन (धर्म) के समस्त कार्यों को करेगा दीनी स्कूल खोलेगा तबलीग़ (धार्मिक प्रसार) करेगा दीन की रक्षा करेगा।

यदि कोई व्यक्ति खुमुस न दे तो ?

उसे इमाम के अधिकारों का ग़ासिब (शोषण करने वाला) कहा जायगा और वह इमाम का वास्तविक दोस्त नहीं हो सकता।

जिस को खुमुस न मालूम रहा हो तो वह क्या करे ?

जब मालूम हो जाये तो मुजतहिद से पूछ कर निकाल दे ताकि खुदा क्षमा कर दे।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

बीसवाँ पाठ

जेहाद

जेहाद किसे कहते है ?
रसूल या इमाम की अनुमति से जो युद्ध होता है उसे जेहाद कहते हैं। यह युद्ध (लड़ाई) क्यों होती है ?
दीन (धर्म) की रक्षा के लिए।
क्या दीन (धर्म) को बचाने के लिए लड़ाई आवश्यक है ?
हाँ, जब दीन (धर्म) के शत्रु युद्ध करने पर मजबूर कर दे तो लड़ाई आवश्यक हो जायगी।
इस युद्ध (लड़ाई) में इमाम की अनुमति क्यों आवश्यक है ?
इमाम से भूल चूक नही होती उसके होते हुये नाहक (अनुचित) खून नही बहेगा।
क्या स्त्रीयाँ भी जेहाद करती है ?
नही जेहाद केवल पुरुषों के लिए है स्त्रीयों का जेहाद घर का काम काज है।
जेहाद में मर जाने वालों का क्या होगा ? वे शहीद हो जायेंगे और अल्लाह के यहाँ जीवित रहेंगें उन्हे रोजी (जीविका) मिलेगी और असीमित सवाब पाने के अधिकारी होगें।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

इक्कीसवाँ पाठ

अम्र-बिल-मारूफ (अच्छाइयों की ओर बुलाना)

रास्ता न जानने वाले को रास्ता बताना। काम न करने वाले को काम करने के लिए तैयार करना। अच्छाई के रास्ते से अलग रहने वाले को रास्ते पर लाना अम्र-बिल-मारूफ कहा जाता है।

अम्र-बिल मारूफ आवश्यक है इस लिये कि जिस प्रकार अन्धे को रास्ता न बताना, अंधेरे में रोशनी न दिखाना अपराध है उसी प्रकार नेकियों (अच्छाइयों) का का आदेश न देना और अच्छे रास्ते पर न लाना भी एक गुनाह (पाप) है।

जो लोग दूसरों को सीधे रास्ते पर नही लाते और केवल अपने सवाब (पुन्य) को सोचते हैं वे स्वार्थी कहे जाते हैं। और स्वार्थ एक बहुत बड़ा अवगुण है।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

बाइसवाँ पाठ

नही अनिल मुनकर (बुराइयों से रोकना)

एक आदमी गड्ढ़े में गिर पड़ा और उसे किसी ने न बताया। एक आदमी नदी में डूब गया और किसी ने न निकाला। एक आदमी ने जहर (विष) खा लिया और किसी ने न रोका—तो जिसे जिसे मालूम हुआ सब ने उन लोगों को बुरा कहा जिन्होंने उस बेचारे को जानते हुये नही बताया।

दीन (धर्म) भी उन लोगों को बुरा समझता हैं जो स्वयं बुराइयों से दूर रहते हैं लेकिन अपने बच्चों घर वालों और दीन (धर्म) वालों को बुराइयों से नही रोकते।

बुराई में फंस जाना गड्ढ़े में गिरने और नदी में डूबने से बढ़कर है। डूबने वाले की दुनिया खराब होती है और ऐसे व्यक्ति की अखेरत (मृत्यु क बाद का जीवन) खराब हो जाता है। इस का बचाना उस से कहीं ज्यादा आवश्यक है और इस को नहीं—अनिल—मुनकर कहा जाता है।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

तेइस्सवाँ पाठ

तवल्ला—तबर्रा (प्रेम एवं घृणा)

तवल्ला क्या है ? अच्छे लोगों से प्रेम करना ?

तबर्रा क्या है ? बुरे लोगों से नफ़रत (घृणा) करना ।

इस्लाम में अच्छे लोग कौन हैं ? जो सदैव अल्लाह की बन्दगी करते हैं ?

बुरे लोग कौन है ? जो अच्छे लोगों से शत्रुता रखते हैं ।

सब से अच्छे लोग कौन हैं ? अल्लाह के रसूल (हज़रत मुहम्मद मुस्तफ़ा) और उनके अहले बैत जिनमें किसी प्रकार की कोई बुराई नहीं पायी जाती ।

सब से बुरे लोग कौन हैं ? इन्हीं हज़रात के शत्रु और इन्हीं हज़रात से अलग रहने वाले ।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

तवल्ला और तबर्रा का क्या लाभ है ?

अच्छे लोगों की मुहब्बत (प्रेम) से जीवन अच्छा और पवित्र हो जाता है।

और बुरे लोगों की नफरत से बुराई से नफरत (घृणा) पैदा होती है ।

तवल्ला और तबर्रा का ढ़ंग क्या है ?

अल्लाह वालों जैसा काम करना और शत्रुओं के काम से अलग रहना ।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

तवल्ला और तबर्रा का क्या लाभ है ?

अच्छे लोगों की मुहब्बत (प्रेम) से जीवन अच्छा और पवित्र हो जाता है। और बुरे लोगों की नफरत से बुराई से नफरत (घृणा) पैदा होती है।

तवल्ला और तबर्रा का ढंग क्या है ?

अल्लाह वालों जैसा काम करना और शत्रुओं के काम से अलग रहना।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

चौबीसवाँ पाठ

हमें क्या करना चाहिये

१—अल्लाह की इबादत (भक्ति एवं आदेश-पालन) करना चाहिए।

२—रसूल और इमाम की इताअत् (आज्ञा का पालन) करना चाहिए।

३—माता पिता की सेवा करना चाहिए।

४—बड़ों का अदब (आदर) करना चाहिए।

५—अध्यापक का आदर करना चाहिए।

६—अपना पाठ याद रखना चाहिए।

७—सबको सलाम करना चाहिए।

८—भटके हुए को रास्ते पर लगा देना चाहिए।

९—अल्लाह वालो से प्रेम करना चाहिए।

१०—अल्लाह के शत्रुओं से नफ़रत (घृणा) करना चाहिए।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

पच्चीसवाँ पाठ

बिसमिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

कुल अऊज़ो बेरब्बिन्नास, मलेकिन्नास एलाहिन्नास मिन शर्रिल वसवासिल ख़न्नासिल लज़ी योवस वेसो फ़ी सुदूरिन्नास, मिनल जिन्नते वन्नास ।

छब्बीसवाँ पाठ

बिसमिल्ला हिर्रहमानिर्रहीम

कुल अऊज़ो बेरब्बिल फ़लक़ मिन शर्रे मा ख़लक़ व मिन शर्रे गासे किन एज़ा वक़ब व मिन शर्रे नफ़्फ़ासाते फ़िल ओक़द, व मिन शर्रे हासेदिन एज़ा हसद ।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

सत्ताईसवाँ पाठ

बिसमिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

वल अस्र इन्नल इनसाना लफ़ी ख़ुस्र, इल्लल लजीना आमन व अमेलुस्वालेहाते वतवा सव बिल हक़्के वतवासवे बिसाब्र ।

अट्ठाइसवाँ पाठ

बिसमिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

लेईलाफ़े क़ोरैश ईलाफ़ेहिम रेहलतशिशताए वस्सैफ़। फ़लय अबोदू रब्ब हाज़लबैतिल लजी अत-अमहुंम मिन जूइव व आमन हुम मिनख़ौफ़ ।

Tanzeemul makatib E_library visit our website www.tanzeemulmakatib.org

उनतीसवां पाठ

बिसमिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम

अलम नशरह् लक सदरक, ववज़उना अन का विज़रक ।

अल्लज़ी अनक़ज़ ज़हरक, व रफ़अना लक ज़िकरक ।

फ़इन्ना मअल उसरे युसरा, इन्ना मअल उसरे युसरा,

फ़एज़ा फ़रग़ता फ़नस्बब व एला रब्बेका फ़रग़ब ।